Email: csjmu@kanpuruniversity.org TEL: 0512-2080024

: 0512-2582251

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

कल्याणपुर, कानपुर

उत्तर प्रदेश-208024

दिनांक: 22-12-2021

आज दिनांक- 22-12-21 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में इन्नोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन्क्यूबेशन सेल और सेंटर फॉर स्किल नो हाउ इनोवेशन लीडरशिप एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट(CSKILED) ने विजडम सीरीज टॉक और इन्नोवेशन चैलेंज के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय- "अचिविंग प्रॉब्लम सलूशन फिट एंड प्रोडक्ट मार्केट" था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने सभी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में विद्यार्थियों के पास ज्यादा से ज्यादा इनोवेटिव आइडिया रहते हैं, जरूरत है तो बस उन्हें सही मार्गदर्शन की। कोरोनाकाल में पूरे देश ने स्वीकारा कि हमें आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता है। हमें एक ऐसे इको सिस्टम को विकसित करना होगा जिससे एंटरप्रेन्योर्स को सही समय पर सही फंड उपलब्ध कराया जा सके, जिससे बेहतर उत्पादकता प्राप्त की जा सके।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग(MSME-DI) के डायरेक्टर विशाल कुमार वर्मा ने कहा कि हमें छात्रों को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने ऐसी कई योजनाएं लांच की है, जो एंटरप्रेन्योर्स को उनके स्टार्टअप में सहायक होंगी। उन्होंने कहा कि छात्रों को एम.एस.एम.ई के बारे में जानने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि हमने इसे तीन भागों में विभाजित किया है-

सूक्ष्म- प्लांट मशीनरी एवं उपकरण में निवेश एक करोड़ तक और वार्षिक टर्न ओवर पांच करोड़ तक,

लघु- प्लांट मशीनरी एवं उपकरण में निवेश दस करोड़ तक और वार्षिक टर्नओवर पचास करोड़ तक,

मध्यम- प्लांट मशीनरी एवं उपकरण में निवेश 50 करोड़ तक और वार्षिक टर्नओवर 250 करोड़ रुपए तक।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के इन्नोवेशन एंड एजुकेशन सेल में अपने अधिकारी को नियुक्त करेंगे जिससे वे समय-समय पर आकर विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं को एम.एस.एम.ई के विकास के बारे में बता सके। उन्होंने कहा कि हम वि.वि के छात्र-छात्राओं के साथ नए एंटरप्रेन्योर्स का इंटरेक्शन सेशन भी करवाएंगे।

एम.एस.एम.ई के असिस्टेंट डायरेक्टर सुनील अग्निहोत्री ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाला समय स्टार्टअप का समय है। एम.एस.एम.ई इकाई ने देश की इकोनॉमी को संतुलित बनाए रखने में मदद की है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में 650 एमएसएमई यूनिट्स है उन्होंने बताया कि 2006 में एमएसएमई एक्ट लाया गया जिससे एमएसएमई कानूनी रूप से भी शक्तिशाली बन सके। उन्होंने बताया कि मुख्य मंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत विनिर्माण के लिए 25 लाख रूपये और सेवा क्षेत्र के लिए 10 लाख रूपये तक का कोलेटरल मुक्त ऋण एवं परियोजना लागत पर अधिकतम 25% तक की सब्सिडी। उन्होंने बताया कि कोरोना काल में भारत सरकार ने चैंपियन पोर्टल की शुरुआत की थी जिसमें हम एम.एस.एम.ई की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक जिला-एक उत्पाद

Email: csjmu@kanpuruniversity.org TEL: 0512-2080024

: 0512-2582251

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

कल्याणपुर, कानपुर

उत्तर प्रदेश-208024

दिनांक: 22-12-2021

(ODOP) योजना के तहत जिले के चयनित उत्पाद हेतु 10 करोड़ रू. तक ऋण, प्रशिक्षण, टूल किट, क्लस्टर विकास किया जाएगा। टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन स्कीम के तहत एक करोड़ तक की धनराशि एम.एस.एम.ई मिनिस्ट्री द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। भारत सरकार ने जुलाई 2021 में ट्रेडिंग में को भी एम.एस.एम.ई में जोड़ दिया जिससे कि इकाई में जोड़ दिया जिससे कि एम.एस.एम.ई इकाईयों की संख्या में ढाई करोड़ तक वृद्धि हुई।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिल्पा कायस्थ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में इन्नोवेशन चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय "इनोवेट फॉर सस्टेनेबिलिटी" था जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में दस हजार की धनराशि अमृता विश्वकर्मा को मिली। इनका विषय "केसटर ऑयल से बायोडीजल का उत्पादन"। बायोडीजल का केसटर ऑयल से ईंधन उत्पादन जो के पर्यावरण के अनुकूल स्थायी स्रोत है। इसमें दो जैव उत्पाद भी हैं- ग्लिसरीन और केसटर ऑयल केक। ये दोनों आर्थिक लाभ में मदद करेंगे। बॉयफ्यूल के फायदे- आसानी से उपलब्ध कच्चा माल, पर्यावरण के अनुकूल कम कार्बन में उत्पादन।

द्वितीय पुरस्कार 5000 की धनराशि के रूप में विपुल मद्धेशिया को मिली। इनका विषय इकोविटी – क्रिएटिंग सस्टेबल लीविंग था। इकोविटी में फर्नीचर , होम डेकोर, वॉल इंस्टालेशन, स्टोरेज आइटम इंडस्ट्री के कचरे से बनाना जो कि इको-फ्रेंडली है और पर्यायवरण को नुक्सान नहीं पहुंचाता है।

तृतीय पुरस्कार के रूप में 3000 की धनराशि आदर्श प्रकाश श्रीवास्तव और रितिका रॉय को मिली। इन्होंने एग्रीडेव्स नाम का एक प्लेटफार्म बनाया है जिससे कि किसान अपनी उपज को सीधा ग्राहक को भेज सकता है। इसमें स्पीच रिकॉग्निशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एस.एम.एस सिस्टम और क्वालिटी चेक का भी ख्याल रखा गया है। इस नवाचार से किसानों की आय में वृद्धि होगी और ग्राहक को फ्रेश और ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ मिलेंगे।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पी.के श्रीवास्तव, एकता खरे, डॉ. राशि अग्रवाल, प्रो. सुविज्ञा अवस्थी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

डॉ.विवेक सिंह सचान
सह-मीडिया प्रभारी